

যঈফ ও জাল হাদিস

হাদিস নম্বরঃ ৪১

১/ বিবিধ

আরবী

من أصاب مالا من نهاوش أذهبه الله في نهابر
لا يصح

رواه القضاعي في "مسند الشهاب" (ق 37 / 2) والرامهرمزي في "الأمثال" (ص 160) عن عمرو بن الحصين قال: أنبأنا محمد بن عبد الله بن علاثة قال: أنبأنا أبو سلمة الحمصي مرفوعا

قلت: وهذا إسناد ساقط، عمرو هذا كذاب كما سبق مرارا، وقال السخاوي في "المقاصد" (رقم 1061): عمرو متروك، وأبو سلمة واسمه سليمان بن سلم وهو كاتب يحيى بن جابر قاضي حمص، لا صحبة له، فهو مع ضعفه مرسل، وقد عزاه الديلمي ليحيى بن جابر هذا وهو أيضا ليس بصحابي، وقال التقي السبكي في "الفتاوى" (2 / 369): إنه لا يصح، وله كلام طويل في نقضه وقد ذكر العسكري في "التصحيفات" (1 / 229) عن أبي عبيد أنه غير محفوظ والحديث عزاه السيوطي في "الجامع" لابن النجار عن أبي سلمة الحمصي وتعقبه المناوي بأن أبا سلمة هذا تابعي مجهول، قاله في "التقريب" كأصله، وبأن عمرا متروك

نهاوش: بالنون من نهش الجثة جمع نهو اش أو هو اش من الهو ش الجمع وهو كل مال أصيب من غير حله و"الهو اش" ما جمع من مال حرام نهابر: بنون أوله أي مهالك وأمور مبددة جمع نهبر وأصل النهابر مواضع الرمل إذا

وقعت بها رجل بعير لا تكاد تخلص والمراد أن من أخذ شيئاً من غير حله كنهب
أذهب الله في غير حله كذا في " فيض القدير

বাংলা

৪১। যে ব্যক্তি হারাম পন্থায় (অন্যকে বিপদগ্রস্থ করে) সম্পদ অর্জন করল, আল্লাহ তাঁকে নরকে নিয়ে যাবেন।

হাদীসটি সহীহ নয়।

হাদীসটি কাযাঈ “মুসনাদুশ শিহাব” গ্রন্থে (কাফ ২/৩৭) ও রামহুরমুযী “আল-আমসাল” গ্রন্থে (পৃঃ ১৬০) আমার ইবনুল হুসাইন সূত্রে ... বর্ণনা করেছেন।

আমি (আলবানী) বলছিঃ এ সনদটি সাকেত [নিষ্ক্ষেপযোগ্য]। এ আমার ইবনুল হুসাইন মিথ্যুক। পূর্বে তার সম্পর্কে বহুবার আলোচনা করা হয়েছে। সাখাবী “আল-মাকাসিদ” গ্রন্থে (নং ১০৬১) বলেছেনঃ আমার মাতরুক। আর আবু সালমা হচ্ছেন সুলায়মান ইবনু সালাম। তিনি ইয়াহইয়া ইবনু জাবের-এর কাতিব [লেখক], তিনি সাহাবী নন।

এছাড়া আবু সালমা আল-হিমসী সম্পর্কে মানবী বলেনঃ তিনি একজন মাজহুল [অপরিচিত] তবেঈ।

হাদিসের মান: যঈফ (Dai'f) পুনঃনিরীক্ষিত

পাবলিশারঃ তাওহীদ পাবলিকেশন

🔗 Link — <https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=5302>

📖 হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন